

मुँह-दिखाई स्त्री. (देश.) 1. दुलहिन का मुँह देखने की रस्म 2. वह धन, आभूषण आदि जो दुलहिन का मुँह देखकर उसे दिया जाए।

मुँह-देखनी स्त्री. (देश.) 1. सुसराल में पहली बार वधू का मुँह देखने की रस्म 2. पहली बार वधू का मुँह देखने पर उपहार में दिया जाने वाला धन, आभूषण।

मुँह-देखा वि. (तद्.) बिलकुल ऊपरी, दिखाऊ, दिखावे के लिए किया गया काम।

मुँहनाल स्त्री. (तद्.) 1. वह नली जिसे मुँह से लगाकर हुक्के का धूआँ खींचते हैं 2. धातु का वह टुकड़ा जो म्यान के सिरे पर लगा होता है।

मुँहपड़ा पुं. (तद्.) प्रसिद्ध, मशहूर।

मुँह-पातर वि. (देश.) मुँह का हल्का, मुँहफट।

मुँह-फट वि. (तत्.) जो मुँह में आए वह बक देने वाला, बदजबान, उचित-अनुचित का ध्यान रखे बिना कुछ भी बोलने में संकोच न करने वाला।

मुँह-बंद वि. (तत्.) 1. जिसका मुँह खुला न हो जैसे- मुँहबंद बोतल 2. (फूल) जो अभी खिला न हो जैसे- मुँह-बंद कली 3. वह युवती जिसका पुरुष से संभोग न हुआ हो, अक्षतयौवना, कुमारी।

मुँहबंदी स्त्री. (तद्.) मुँह बंद करने या होने की अवस्था या भाव।

मुँह-बँधा पुं. (तद्.) जैन साधु जो प्रायः मुँह पर कपड़ा बाँधे रहते हैं वि. जिसका मुँह बँधा हुआ हो।

मुँह-बोला वि. (तद्.) 1. जिसके साथ केवल वचन देकर कोई संबंध स्थापित किया गया हो, जहां संबंध जन्मतः न होकर मुँह से कहकर मान लिया गया हो जैसे- मुँह-बोला भाई।

मुँह-भराई स्त्री. (देश.) 1. मुँह भरने की क्रिया या भाव 2. वह धन जो किसी को कोई आपत्तिजनक बात कहने से रोकने के लिए रिश्वत आदि के रूप में दिया जाए।

मुँह-माँगा वि. (देश.) जो मुँह से कहकर माँगा गया हो जैसे- मुँह-माँगा दाम लेना।

मुँह-माँगे अव्य. (देश.) मुँह से माँगने पर, कहकर माँगने पर जैसे- सब्जीवाला मुँह-माँगे दाम लेता है।

मुँह-मुलाहजा पुं. (तद्.+अर.) ऐसी स्थिति जिसमें किसी आत्मीय या परिचित व्यक्ति के साथ होने वाले पारस्परिक संबंध का शील-संकोचपूर्वक ध्यान रखा जाता है।

मुँह लगा वि. (तद्.) धृष्ट, ढीठ, सिर-चढ़ा।

मुँह-सुँधाई स्त्री. (तद्.) 1. किसी से मिलकर इतनी कम बातचीत करना कि मानो उसका मुँह सूँघकर छोड़ दिया हो 2. क्षणिक बातचीत के बदले में दिया या लिया जाने वाला धन।

मुँहा वि. (तद्.) मुँहवाला, किसी प्रकार के मुँह से युक्त जैसे-दोमुँहा।

मुँहाचाही स्त्री. (तद्.) 1. देखा-देखी 2. आपस में एक दूसरे को देखना 3. आपस में होने वाली तकरार या कहा-सुनी।

मुँहा-चीही स्त्री. (तद्.) 1. आपस में होने वाली तकरार या कहा-सुनी 2. देखा-देखी 3. आपस में एक दूसरे को देखना।

मुँहा-मुँह अव्य. (तद्.) मुँह या ऊपरी भाग तक।

मुँहासा पुं. (तद्.) मुँह पर युवावस्था में निकलने वाली एक प्रकार की फुंसी।

मुअज्जन पुं. (अर.) मस्जिद में अजान देने वाला, नमाज से पहले आह्वान/अज़ान देकर सूचना देने वाला।

मुअज्जम वि. (अर.) पूज्य, बुजुर्ग, महान।

मुआज्जिज़ वि. (अर.) प्रतिष्ठित, सम्मानित।

मुअत्तल वि. (अर.) 1. जो काम करने से रोक दिया गया हो 2. जिसके पास काम न हो, बेकार, खाली 3. जो संस्था अपना काम न कर रही हो 4. अस्थायी रूप से पदच्युत suspend

मुअत्तली स्त्री. (अर.) मुअत्तल होने का भाव।

मुअन्नस स्त्री. (अर.) स्त्रीलिंग, मादा

मुअम्मा पुं. (अर.) 1. प्रतियोगिता 2. पहली 3. पेचदार बात, रहस्य।